>

Title: 8h Need to gi e land ownership rights to people belonging to Gorkha, Rajvanshi, Koche, Meche and Toto caste in Darjeeling.

श्री राजू बिष्ट (दार्जिलिंग): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं बंगाल के दार्जीलिंग क्षेत्र से आता हूँ, इसलिए मेरा निवेदन है कि मुझे एक मिनट ज्यादा बोलने का मौका दे दीजिएगा क्योंकि मेरा विषय बहुत ही गंभीर है । बंगाल में डेमोक्रेसी नहीं है, इसलिए हर चीज के लिए हमें आपके पास आना पड़ता है ।

मेरे पूरे क्षेत्र में गोरखा, आदिवासी, राजवंशी, कोचे, मेचे और टोटो बहुत अधिक संख्या में रहते हैं । इन लोगों में से करीब 80 फीसदी के पास अपनी जमीन का पर्जा-पट्टा आज तक नहीं है । अंग्रेजों ने बड़ी चालाकी से इन लोगों को इनकी जमीनों के अधिकार से वंचित रखा और जो अत्याचार अंग्रेजों ने किये, आज की बंगाल सरकार एकदम वही काम इनके साथ कर रही है ।

इनमें से ज्यादातर लोग चाय बागानों में काम करते हैं । दूसरे लोग वन-बस्ती में काम करते हैं और कुछ तीसरे प्रकार के लोग हैं, जो डीआई फंड में रहते हैं । अंग्रेजों ने डिस्ट्रिक्ट इम्प्रूवमेंट फंड लगाया था, आज बंगाल में वही अत्याचार टीएमसी की सरकार कर रही है ।

मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि उन लोगों की अपनी जमीनें हैं, उनका यह अधिकार बनता है कि उन लोगों को उनकी जमीनों के पर्जे-पट्टे दिए जाएं । इसलिए मैं चाहता हूँ कि यह काम जल्द-से-जल्द हो और यहाँ के जो मूल निवासी हैं, उनको इसका लाभ मिले ।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री राजू बिष्ट द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।